वैदिक संस्कृति : पुस्तकीय समीक्षा

डॉ0 पंकज कुमार

वैदिक संस्कृति डॉ0 किरण कुमार थपलियाल की एक महत्वपूर्ण रचना है। 48 पृष्ठों की यह पुस्तक डॉ0 थपलियाल ने अपने सहरचनाकार प्रशांत श्रीवास्तव के साथ रचा, जिसका प्रकाशन अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद के द्वारा 1996 ई0 में प्रथम संस्करण के साथ प्रकाशित हुई है। पुस्तक 6 अध्याय में परिशिष्ट के 2 अध्यायों सहित अंत में 2 पृष्ठों की सक्षिप्त ग्रंथ सूची के साथ प्रकाशित की गई है।

विवेच्य पुस्तक की प्रथम अध्याय वैदिक साहित्य है जिसमें रचनाकार ने वैदिक साहित्य के विभिन्न उपागमों पर पाठकों का ध्यान आकर्षित करते हुए संबंधित विभिन्न साहित्यों का साक्षात्कार करवाया है। विवेच्य अध्याय में 1500 ई0पू0 से 600 ई0पू0 के बीच वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में रचित साहित्यों एवं उसपर परवर्ती टीकाओं यथा ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषद् साहित्यों के साथ कई टीकाओं का जिक्र किया है। शोध–शाधन की दृष्टि से विवेच्य अध्याय से अपने संक्षिप्त स्वरुप की पुस्तक के साथ न्याय करती है।